सुविचार

जिसको जो कहना है कहने दो, आपका क्या जाता है। समय-समय की बात है वक्त सबका आता है।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 30 SEPTEMBER TO 06 OCTOBER 2021 • VOLUME-11 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

बिजली के 2 किलोवाट तक के खपतकारों का पिछला सारा बकाया माफ : चन्नी

चंडीगढ़. समाज के आर्थिक तौर पर कमज़ोर वर्गों को बड़ी राहत देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री स. चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को ऐलान किया कि 2 किलोवाट लोड वाले घरेलू बिजली बिलों के पिछले समूचे बकाए को माफ किया जायेगा। बिलों की अदायगी न करने के कारण जिन लोगों के बिजली कनैक्शन काट दिए गए थे, उनकी काफी देर की माँग को पूरा करते हुये कैबिनेट ने आज यह गरीब समर्थकीय फ़ैसला लिया जिसके अंतर्गत अब पंजाब सरकार ऐसे डिफॉल्टर व्यक्तियों की तरफ बकाए की रकम अदा करेगी। यह फ़ैसला आज प्रातःकाल यहां मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री स. चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता अधीन हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया।

मीटिंग में विचार-विमर्श के दौरान मुख्यमंत्री ने इस बात की ज़रूरत पर ज़ोर दिया कि पंजाब में बिजली उत्पादन की कीमत को तर्कसंगत बनाने की ज़रूरत है। ग्रीनफील्ड सोलर प्रोजेक्टों का प्रचार किये जाने की ज़रूरत है क्योंकि यह वातावरण समर्थकीय होने के अलावा रिवायती थर्मल बिजली प्लांटों की तुलना में ज़्यादा किफ़ायती होते हैं।

भारतीय हॉकी टीम के पंजाबी खिलाड़ियों को इच्छा अनुसार नौकरी दी जायेगी

मुख्यमंत्री चन्नी ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम के पंजाबी खिलाड़ियों को उनकी इच्छा अनुसार नौकरी दी जायेगी जिसके लिए खेल विभाग को अगली कैबिनेट में एजेंडा लाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को योग्यता अनुसार पी.सी.एस. या डी.एस.पी. या खेल विभाग में इसके समानन्तर का कोई भी पद लेने की खुली पेशकश भी की।

कोविड हालातों में सुधार से मुख्यमंत्री चन्नी द्वारा बन्दिशों में ढील

राज्य भर में कोविड स्थिति में हुए संतोष्जनक सुधार के मद्देनज़र पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज बन्दिशों में ढील देते हुये राज्य में आंतरिक सभाओं पर व्यक्तियों की संख्या 150 से बढ़ा कर 300 करने और बाहरी सभाओं के लिए यह संख्या 300 से बढ़ा कर 500 करने हुक्म दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन छूटों के बावजूद कोविड प्रोटोकोल पाबंदियों का सख्ती से पालन किया जायेगा।

अनियोजित कालोनियों का निर्माण रोकने के आदेश

पंजाब के मुख्यमंत्री स. चरणजीत सिंह चन्नी ने स्थानीय सरकार विभाग को कहा कि वह राज्य भर में अनियोजित और बेतरतीब निर्माणों को रोकने और राज्य के निवासियों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए हर संभव यत्न करें।

स्थानीय सरकार विभाग के कामकाज की समीक्षा करते हुए स. चन्नी ने स्थानीय सरकार विभाग के प्रमुख सचिव श्री ए.के. सिन्हा को कहा कि वह नगर परिषदों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करें, जिससे शहरी क्षेत्रों में सम्बन्धित अथॉरिटी द्वारा प्रमाणित भवन योजनाओं के अनुसार ही मकानों के निर्माण की इजाज़त दी जाए। उन्होंने स्पष्ट तौर पर यह भी कहा कि विभाग में विभिन्न स्तरों पर फैले भ्रष्टाचार की तुरंत जाँच होनी चाहिए, क्योंकि आम लोगों द्वारा इमारतों की योजनाओं की मंज़ूरी, पानी और सीवरेज कनेक्शनों की मंज़ूरी जैसे कार्यों को करवाने के लिए परेशानी होने की कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने प्रमुख सचिव सरकार को यह भी हिदायत की कि वह लोगों को पीने योग्य पानी की सप्लाई, स्ट्रीट लाईट, सीवरेज, सडक़ें और पार्कों आदि जैसी बेहतरीन नागरिक सुविधाएं दी जाना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि कालोनियों में 35 फुट की सडक़ें हों, जिससे लोगों को बिना किसी परेशानी के सडक़ तक संपर्क हासिल हो सके। उन्होंने कहा कि 20 फुट की तंग सडक़ों वाली कालोनाईजऱों की योजनाओं को मंज़ूर नहीं किया जाना चाहिए। स. चन्नी ने स्थानीय सरकार के प्रमुख सचिव को आम लोगों की शिकायतों को पहल के आधार पर निपटाने के लिए प्रभावशाली विधि स्थापित करने के लिए भी कहा। उन्होंने राज्य के समग्र शहरी विकास को सुनिश्चित बनाने के लिए स्थानीय सरकार के डायरैक्टर को नगर परिषदों के ईओज़ की नियमित बैठकें करने के निर्देश देने के लिए भी कहा।

कैप्टन ने की अमित शाह से मुलाकात, किसान आंदोलन पर हुई लंबी चर्चा

नई दिल्ली. कांग्रेस आलाकमान से नाराज होकर पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बुधवार को मुलाकात की। जिसमें करीब 45 मिनट तक चर्चा हुई है। दरअसल, कैप्टन अमरिंदर बुधवार को दिल्ली आए थे। पूर्व मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रवीन ठुकराल ने बताया कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले। कृषि कानूनों के खिलाफ लंबे समय तक किसानों के आंदोलन पर चर्चा की और कानूनों को रद्द करने के साथ इसका तत्काल हल करने का आग्रह किया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक कैप्टन अमरिंदर सिंह जल्द ही अमित शाह से फिर मुलाकात कर सकते हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस को झटका देकर भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ऐसे में अमित शाह के साथ हुई बैठक काफी अहम मानी जा रही है। क्योंकि कैप्टन अमरिंदर ने अपने भविष्य को लेकर अभी तक कोई भी पत्ता नहीं खोला है।

'हक-सच की लड़ाई आखिरी दम तक लड़ता रहूंगा'

नवजोत सिंह सिद्धू ने वीडियो संदेश जारी कर अपनी बात रखी

चंडीगढ़. पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा कि वह हक और सच की लड़ाई आखिरी दम तक लड़ते रहेंगे। माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर पर पोस्ट किए एक वीडियो में सिद्धू ने सभी पंजाबियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने 17 साल का राजनैतिक सफर एक मकसद से किया था, जो लोगों की बेहतरी था। पंजाब कांग्रेस में मचे घमासान के बीच सिद्धू का यह बयान आया है। सिद्धू ने बुधवार सुबह एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी बात रखी। सिद्धू ने ट्विटर पर पोस्ट वीडियो संदेश

में कहा, प्यारे पंजाबियों, मैं 17 साल से राजनीति में एक मकसद के कारण हूं। पंजाब के लोगों की जिंदगी को बेहतर करना, बदलाव लाना और मुद्दों पर आधारित राजनीति में एक स्टैंड लेकर उस पर खरा उतरना यही मेरा धर्म और फर्ज है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज तक किसी से कोई निजी बैर नहीं रहा। उनकी कोई निजी लड़ाई नहीं है, बल्कि वो मुद्दों पर अपनी लड़ाई लड़ते आ रहे हैं।

सिद्धू ने कहा कि वो पंजाब की बेहतरी के एजेंडे के साथ खड़े हुए हैं, वो इसके साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो नैतिकता और सच्चाई के साथ खड़े हुए हैं और इससे समझौता नहीं कर सकते। आज मैं देख रहा हूं कि जिन्होंने 6-6 साल पहले बादल को क्लीनचिट दी थी, उन्हें आज अहमियत दी जा रही है। मुझे लगा कि मेरी अंतरात्मा को कुचला गया है। सिद्धू ने एडवोकेट जनरल की नियुक्ति पर भी सवाल खड़े किए। सिद्धू ने कहा कि न तो वे हाईकमान को गुमराह कर सकते हैं और न ही गुमराह हो सकते हैं।

पंजाब कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले- दागियों को तुरंत हटाएं चन्नी

चंडीगढ़. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर केजरीवाल का दौरा काफी अहम माना जा रहा है और उन्होंने मोहाली पहुंचते ही यह भी साफ कर दिया कि गुरुवार को अहम घोषणा हो सकती है। माना जा रहा है कि केजरीवाल पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री उम्मीदवार का ऐलान कर सकते हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पंजाब के नवनियुक्त मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस वक़्त पंजाब में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां सत्ता की गंदी लड़ाई चल रही है लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि वे अपनी समस्याएं लेकर कहां जाएं। इन लोगों ने सरकार को तमाशा बना दिया

है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अब आम आदमी पार्टी ही पंजाब को एक स्थिर, अच्छी और ईमानदार सरकार दे सकती है। विधानसभा चुनाव में केवल 4 महीने रह गए हैं। 4 महीने बाद जब चुनाव होंगे तब आप पंजाब में स्थिर और ईमानदार सरकार देगी। उन्होंने कहा कि मैं चरणजीत सिंह चन्नी से निवेदन करता हूं कि वे जितने दागी मंत्री, विधायक और अफसर हैं, उनको तुरंत हटाएं। इनके ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाएं। जो वादे कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किए थे उन वादों को चरणजीत सिंह चन्नी पूरा करें।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि बरगाड़ी मामले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करें। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि सभी किसानों के लोन माफ करेंगे, चरणजीत सिंह चन्नी किसानों के लोन माफ करें। हम पंजाब में ऐसा मुख्यमंत्री देंगे, जिस पर आप सब को गर्व होगा।

'गुरमीत राम रहीम या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दी गई क्लीन चिट'

चंडीगढ़. पंजाब पुलिस के अधिकृत प्रवक्ता ने आज डेरा

सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को क्लीन चिट देने संबधी सभी दोषों को पूरी तरह से रद्द कर दिया। यह बयान उस समय पर जारी किया गया है जब इकबाल प्रीत सिंह सहोता, जिनको डीजीपी पंजाब का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है, द्वारा 2015 में बरगाड़ी बेअदबी मामलों की जाँच में एस.आई.टी. द्वारा गुरमीत राम रहीम को क्लीन चिट देने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई हैं।

सभी पेट्रोल पंपों पर सोलर चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए कदम उठाने के निर्देश

चंडीगढ़. पंजाब के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री डॉ. राज कुमार वेरका ने

इलैकट्रिक व्हीकलों को बढ़ावा देने के लिए तेल कंपनियों के साथ बातचीत करके सभी पेट्रोल पंपों पर सोलर चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए कदम उठाए जाने के निर्देश दिए जिससे इलैकट्रिक व्हीकलों को चार्ज करने की सुविधा मुहैया करवाई जा सके।

आज स्थानीय ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) के भवन में अपनी पहली मीटिंग के दौरान पेडा की स्कीमों का जायज़ा लेते हुए डॉ. राज कुमार वेरका ने प्रदर्शनी प्रोग्राम के अंतर्गत एनर्जी ऐफीसैंट बिल्डिंग बनाने के लिए मुफ़्त ज़मीन मुहैया करवाने के लिए सहमति अभिव्यक्त की गई। यह बिल्डिंग बनाने के लिए सारा खर्चा भारत सरकार द्वारा किया जाना है। उन्होंने कृषि के लिए सोलर पंप अधिक से अधिक लगाए जाने पर ज़ोर दिया जिससे किसान इस स्कीम का अधिक से अधिक लाभ ले सकें। डॉ. वेरका ने पेडा की तरफ से और ज्यादा प्रोजैक्ट लगाने पर भी ज़ोर दिया। इससे पहले सी.ई.ओ पेडा नवजोत पाल सिंह रंधावा ने डॉ. वेरका का स्वागत करते हुए पेडा की मुख्य प्राप्तियों व स्कीमों/प्रोजैक्टों संबंधी विस्तारपूर्वक बताया। अब तक पेडा की तरफ से 1700 मेगावाट रीन्यूएबल एनर्जी से सम्बन्धित प्रोजैक्ट स्थापित किये जा चुके हैं।

दुर्भाग्य है कांग्रेस के पास कोई अध्यक्ष नहीं, लोग पार्टी छोड़कर जा रहे : सिब्बल

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल युवाओं के लगातार

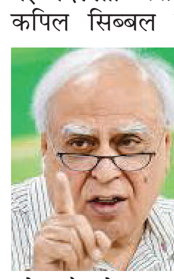

पार्टी को छोड़ने से चिंतित हैं और उन्होंने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे (मीडिया) उन कांग्रेसियों की ओर से बोल रहा हूं जिन्होंने पिछले साल अगस्त में पत्र लिखा था और कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के संबंध में हमारे नेतृत्व द्वारा की जाने वाली कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पंजाब के हालात से पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और आईएसआई को फायदा होगा। सीमावर्ती राज्य में ऐसे हालात ठीक नहीं हैं। हम पंजाब के इतिहास और वहां उग्रवाद के उदय को जानते हैं... कांग्रेस को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे एकजुट रहें। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, सुष्मिता देव समेत इत्यादि लोगों ने कांग्रेस को छोड़कर दूसरी पार्टियां ज्वाइन कर ली हैं। इस संबंध में कपिल सिब्बल ने कहा कि लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। ऐसे में खुद पर सवाल है। वहीं कपिल सिब्बल ने आलाकमान को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में कोई अध्यक्ष नहीं है इसलिए हमें नहीं पता कि ये निर्णय कौन ले रहा है?

64 पीआईएल दायर करने वाले शख्स पर 25 लाख का जुर्माना

बेवजह जनहित याचिका दायर करने की मिली सजा!

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में दिए आदेश में उन्हें बिना किसी सफलता के इतने वर्षों में 64 जनहित याचिकाएं दायर करने और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधिकार क्षेत्र का ''बार-बार दुरुपयोग'' करने के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अदालत की अवमानना की शक्ति को विधायी अधिनियम द्वारा भी छीना नहीं जा सकता। इसी के साथ उसने अदालत को 'नाराज करने तथा धमकाने' के लिए 25 लाख रुपये जमा ना कराने पर एक गैर लाभकारी संगठन (एनजीओ) के अध्यक्ष को अवमानना का दोषी ठहराया।

शीर्ष अदालत ने कहा, 'हमारा यह मानना है कि अवमानना करने वाला शख्स स्पष्ट तौर पर अदालत की आवमानना का दोषी है और अदालत को नाराज करने के उसके कदम को स्वीकार नहीं किया जा सकता।' जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एम एम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि एनजीओ सुराज इंडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव दहिया अदालत, प्रशासनिक कर्मियों और राज्य सरकार समेत सभी पर ''कीचड़ उछालते'' रहे हैं।

अवमानना के लिए सजा देना संवैधानिक अधिकार

पीठ ने कहा, 'अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति एक संवैधानिक अधिकार है। इसे विधायी अधिनियम से भी छीना नहीं जा सकता।' अदालत ने दहिया को नोटिस जारी किया और उसे सात अक्टूबर को सजा सुनाने पर अदालत में मौजूद रहने का निर्देश दिया। धन का भुगतान करने के संबंध में पीठ ने कहा कि यह भू-राजस्व के बकाया के रूप में लिया जा सकता है।

25 लाख रुपये का लगाया था जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने दहिया को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि अदालत को नाराज करने की कोशिश के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। दहिया ने अदालत को बताया था कि उनके पास जुर्माना भरने के लिए संसाधन नहीं है और वह दया याचिका लेकर राष्ट्रपति के पास जाएंगे। शीर्ष अदालत दहिया की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने न्यायालय के 2017 के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायालय ने 2017 में दिए आदेश में उन्हें बिना किसी सफलता के इतने वर्षों में 64 जनहित याचिकाएं दायर करने और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधिकार क्षेत्र का ''बार-बार दुरुपयोग'' करने के लिए 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

कांग्रेस तथा विपक्षियों ने अल्पसंख्यक समाज को सिर्फ वोट बैंक समझा : जमाल सद्दीकी

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, पंजाब की एक दिवसीय कार्यकारिणी संपन्न

चंडीगढ़. भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, पंजाब प्रदेश की एक दिवसीय प्रदेश कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष जॉन मसीह की अध्यक्षता में प्रदेश भाजपा मुख्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित की गई, जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सद्दीकी विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस प्रदेश कार्यकारिणी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सद्दीकी के कार्यक्रम में पहुँचने पर प्रदेश अध्यक्ष जॉन मसीह के साथ अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुष्प-गुच्छ तथा दोशाला देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महासचिव राजेश बागा, मोर्चा प्रदेश प्रभारी

डी.पी. चंदन, मोर्चा उपाध्यक्ष पंजाब जाहिद मीरवाईज आदि भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल ने इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जहाँ सभी वर्गों को एक समान सम्मान दिया जाता है। आज प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा दलित हितैषी, किसान हितैषी, जन-हितैषी व देश हित्त में लिए दूरंदेशी, सही व सटीक निर्णयों के चलते भारत का हर आदमी तथा वर्ग भाजपा के साथ खुद आगे बड़ कर जुड़ रहा है तथा देश के विकास में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहाकि कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों द्वारा पिछले लंबे समय से अल्पसंख्यक समाज को अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है और मतलब निकलने के बाद फिर हाशिये पर फेंक दिया जाता रहा है। मोर्चा इसकी सच्चाई जनता के सामने लेकर जा रहा है। मोर्चे के पदाधिकारी लोगों के साथ संवाद करने के लिए घर-घर जाएंगें तथा उन्हें जागरूक करेंगें। जमाल सद्दीकी ने कहा कि पंजाब में इस वक्त पंजाब कांग्रेस में सियासी घमासान मचा हुआ है।

मध्यप्रदेश का सबसे खुबसूरत हिल स्टेशन है पंचमढ़ी

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

पंचमढ़ी मध्यप्रदेश का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है जिसे पंचमढ़ी कैंट के नाम से भी जाना जाता है। इसे सतपुड़ा की रानी के उपनाम से भी जाना जाता है। होशंगाबाद जिले में स्थित पंचमढ़ी 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। सिंध व सतपुड़ा की सुंदर पहाड़ियों से घिरा यह पर्यटन स्थल मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा पर्यटन स्थल है।

पंचमढ़ी मध्यप्रदेश का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है जिसे पंचमढ़ी कैंट के नाम से भी जाना जाता है। इसे सतपुड़ा की रानी के उपनाम से भी जाना जाता है। होशंगाबाद जिले में स्थित पंचमढ़ी 1100 मीटर की ऊंचाई पर बसा है। सिंध व सतपुड़ा की सुंदर पहाड़ियों से घिरा यह पर्यटन स्थल मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा पर्यटन स्थल है। यहां की सुंदरता भारी संख्या में पर्यटकों को लुभाती है और गर्मियों के दौरान यहां सैलानियों का तांता लगा रहता है।

यहां पर्यटकों को आकर्षित करने की हर चीज मौजूद है। खूबसूरत वाटरफॉल्स, शांत कलकल बहती नदी, खूबसूरत घाटियां जैसे प्रकृतिक के अद्भुत सौन्दर्य है। इसके अलावा पंचमढ़ी का पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व भी है। मान्यता है कि पचमढ़ी या पंचमढ़ी पांडवों की पांच गुफाओं से बना है। कहा जाता है कि पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान ज्यादा समय यही बिताया था।

कैसे पड़ा नाम : पंचमढ़ी दो शब्द पंच अर्थात पांच और मढ़ी अर्थात गुफा से मिल कर बना है। मान्यता है कि यहां मौजूद ये पांच गुफाएं पांडवों ने महाभारत काल में अपने वनवास के दौरान बनाया था। ये गुफाएं यहां एक ऊंचे पर्वत शिखर पर मौजूद हैं।

पंचमढ़ी का इतिहास : पहले पंचमढ़ी पर गोंड जनजाति का राज था। ब्रिटिश राज से पहले यह इसी जनजाति की राजधानी थी। यहां मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के भी बंगले मौजूद हैं। साथ ही यहां एक राजभवन भी है जो राज्यपाल के ठहरने के लिए उपयोग में लाया जाता था।

अब कई बार राज्य शासन और विपक्षी पार्टियों की मीटिंग यहां आयोजित की जाती है।

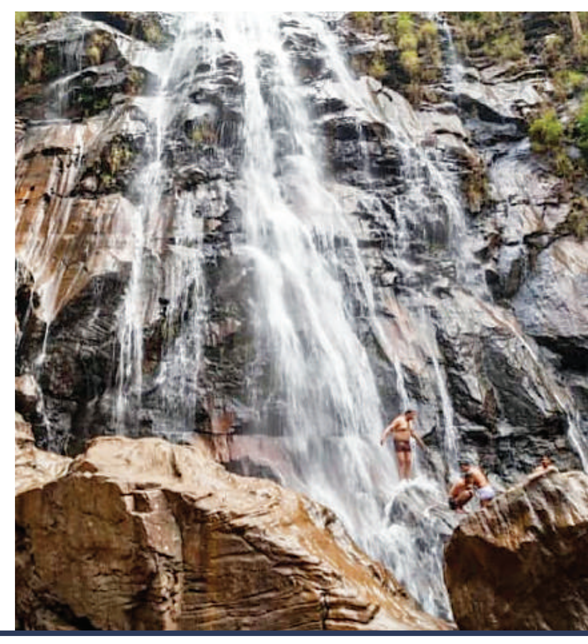

कैसे पहुंचे पंचमढ़ी | सड़क मार्ग से पंचमढ़ी भोपाल और इंदौर से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल के हबीबगंज बस टर्मिनल से बसें चलती हैं जो 5-6 घंटे में पंचमढ़ी पहुंचती हैं। पंचमढ़ी पहुंचने के लिए नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो केवल 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप हवाई मार्ग से पहुंचना चाहते तो भोपाल और नागपुर यहां से नजदीकी एयरपोर्ट हैं।

कब जाएं पंचमढ़ी | पंचमढ़ी का तापमान 25 डिग्री से ज्यादा नहीं रहता अतः यहां साल के किसी भी महीने में जाया जा सकता है।

पंचमढ़ी में क्या देखैं | धूपगढ़ : यह सतपुड़ा रेंज का सबसे ऊंचा प्वाइंट है। इसे सनराइज और सनसेट प्वाइंट के नाम से भी जाना जाता है।

चारुगढ़ : यह दूसरा सबसे ऊंचा प्वाइंट है। इसका धार्मिक महत्व भी है क्योंकि इसके शिखर पर एक शिव मंदिर स्थित है।

पांडव गुफाएं : यहां प्राचीन कालीन पांच गुफाएं हैं। हिंदू कथाओं के अनुसार, महाभारत काल के दौरान यहां पांडवों ने आश्रय लिया था। गुफा के पास ही एक बेहद खूबसूरत गार्डन भी है। अब इन गुफाओं को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर दिया गया है।

जलप्रपात : यहां कई झरने मौजूद हैं। **इनमें से प्रमुख :** 2800 फीट से अधिक ऊंचा सिल्वर फॉल या रजत प्रपात, बी-फॉल (मशहूर पिकनिक स्पॉट) , लिटिल फॉल, डचेस फॉल हैं।

महादेव मंदिर : यह एक गुफा मंदिर है, जो खूबसूरत पेंटिंग्स के लिए प्रसिद्ध है। यह गुफा लगभग 30 मीटर लंबी है।

डेंगू बुखार और कमजोरी से बचाएंगे ये स्पेशल फूड

आपके शरीर को आंतरिक रूप से क्षतिग्रस्त और कमजोर कर देता है। इसका सही समय पर उपचार न होने पर यह घातक साबित हो सकता है। जानें ऐसी घरेलू चीजें, जो डेंगू से आपको बचाने में सहायक होंगी...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ रिपोर्टर

1. **विटामिन सी** - खाने में जितना हो सके विटामिन सी से युक्त पदार्थों का सेवन करें। विटामिन-सी आपको स्वस्थ रखने के साथ ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा यह किसी भी प्रकार के संक्रमण को फैलने से भी रोकता है।

2. **हल्दी का प्रयोग** - किसी भी रूप में खान-पान में हल्की का सेवन करें। सामान्यत: सब्जी या दाल में हल्दी का प्रयोग तो होता ही है, इसके अलावा आप चाहें तो हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीबायोटिक तत्व आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत कर बीमारियों से आपकी रक्षा करते हैं।

3. **तुलसी और शहद** - तुलसी और शहद का प्रयोग करने से भी डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसके लिए तुलसी को पानी में उबालकर, इसमें शहद डालकर पिया जा सकता है।इसके अलावा आप काढ़ा या चाय में तुलसी का प्रयोग कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण बीमारियों से बचाव में सहायक है।

4. **पपीते के पत्ते** - डेंगू के इलाज में पपीते की पत्तियां बेहतर इलाज के रूप में जानी जाती हैं। पपीते के पत्ते का रस निकालकर दिन में दो बार लगभग 2-3 चम्मच की मात्रा में लेने से डेंगू से बचाव किया जा सकता है। इसमें प्रोटीन से भरपूर पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो पाचन शक्ति को ठीक करता है इसके अलावा लाल रक्त कणों में भी वृद्धि करता है।

5. **अनार** - डेंगू बुखार में शरीर में होने वाली रक्त की कमी और कमजोरी को दूर करने के लिए, अनार का सेवन फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, सी, ए और फोलिक एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट बेहद लाभप्रद साबित होते हैं। यह लाल रक्त कणों के निर्माण में भी महत्वूर्ण भूमिका निभाता है, जो खून की कमी को पूरा करने में सहायक है।

6. **मेथी** - मेथी की हरी पत्तियों का सेवन डेंगू से बचाव में मददगार होते हैं। इसके प्रयोग से शरीर से सभी हानिकारक और विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा शारीरिक दर्द और अनिद्रा की समस्या में भी यह लाभकारी होती है। इसकी सब्जी या इसे पानी में उबालकर प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा मेथीदाने का प्रयोग भी किया जा सकता है।

7, **गिलोय** - गिलोय हर तरह की बीमारी में अमृत के समान होती है। इसके प्रयोग से लाल रक्त कणिकाओं का निर्माण होता है और प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है। तुलसी के साथ इसका काढ़ा बनाकर पीने से लाभ होता है। इसके अलावा गिलोय का जूस या इसकी गोलियां खाना भी फायदेमंद हो सकता है। दिन में दो से तीन बार किसी भी रूप में गिलोय का प्रयोग करना, डेंगू से बचने के लिए रामबाण उपाय है।

8. **बकरी का दूध** - जी हां, डेंगू बुखार होने पर बकरी के दूध का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। इसके लिए बकरी का कच्चा दूध दिन में दो से तीन बार थोड़ी मात्रा में पीने लाभ होता है। इसके अलावा यह खून की कमी को दूर कर, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है और शरीर व जोड़ों के दर्द में लाभकारी होता है।

9 **जवारे का रस** - जवारे यानि गेहूं की घास का रस पीने से भी रक्त में प्लेटलेट्स का निर्माण तेजी से होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। प्रतिदिन दो बार इसका प्रयोग करने से डेंगू का खतरा कम होता है।

10 **सूप** - सामान्य भोजन के अलावा सूप का प्रयोग भी जरूर करें। यह आपके स्वाद को बरकरार रखेगा और भूख न लगने की शिकायत दूर करेगा। इसके अलावा दलिया का प्रयोग करना भी बेहतर होगा, यह आपको उर्जा देने के साथ ही पाचन को दुरूस्त करेगा।

11 **हर्बल टी** - हर्बल टी का प्रयोग करने से शरीर के हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है। दिन में दो से तीन बार हर्बल टी का प्रयोग जरूर करें।

सावधानी : इसके अलावा मच्छरों से जितना हो सके बचाव करना डेंगू से बचने का प्रमुख उपाय है। मच्छरों से बचने के लिए हर संभव सावधानी बरतें और पानी का जमाव न होने दें, क्योंकि इसमें मच्छरों के पनपने की संभावना अधिक होती है। डेंगू के लक्षण सामने आने पर या किसी भी प्रकार की अन्य समस्या होने पर दवा लेने से पूर्व डॉक्टरी परामर्श अवश्य लें।

सूर्यास्त के बाद फलों का सेवन करने से होता है शरीर को नुकसान

फल एक नेचुरल मेडिसिन है, जो गंभीर रोग - बीमारियों से दूर रखता है। और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। यह विटामिन और खनिज का सबसे बड़ा स्त्रोत है। फलों का सेवन रोज करने से शरीर स्वस्थ्य और फीट रहता है। नियमित रूप से सही समय पर फल खाने से ही उसका लाभ अधिक मिलता है। अगर आप यह सोचते हैं कि आपको रात में ही फल को खाने का वक्त मिलता है तो वह हानिकारक है। जी हां, जिस तरह भोजन करने का सही समय होता है उसी तरह फल खाने का भी वक्त होता है। और अधिक मात्रा में लेने पर भी वह फायदे की जगह नुकसान करते हैं। तो जानते हैं सूर्यास्त के बाद फल खाने के क्या-क्या नुकसान होते हैं -

दरअसल, सूर्यास्त के बाद फल खाने से आपकी नींद और पाचन क्रिया पर असर पड़ता है। फल कार्ब्स युक्त होते हैं। उनका सेवन करने से आपकी ऊर्जा तो बढ़ती ही है, लेकिन ब्लड शुगर का स्तर भी बढ़ जाता है, जो सीधे आपकी नींद में खलल डालता है। सूर्यास्त के बाद बॉडी का मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है, जो कार्ब्स को आसानी से पचा नहीं सकता है। इसलिए संध्या समय में फलों का सेवन

फलों का सेवन कब करना चाहिए

फलों का सेवन सही समय पर करने से वह ज्यादा प्रभावी होते हैं। फलों का असर बॉडी पर भी पूरी तरह से होता है। सुबह के वक्त खाली पेट फलों का सेवन किया जा सकता है। फूड एक्सपर्ट के अनुसार भोजन के साथ भी फलों का सेवन किया जा सकता है। भोजन के तुरंत बाद भी सेवन किया जा सकता है। आमतौर पर भोजन के बाद संतरे का सेवन सबसे अधिक किया जाता है। संतरे के सेवन से पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और हाजमा भी अच्छा होता है।

फलों को मिक्स नहीं करें

सुबह के वक्त जब फलों का सेवन किया जाता है, तो उन्हें किसी के साथ मिक्स भी किया जाता है। अक्सर लोग पोहे और उपमा में भी प्रयोग करते हैं। ऐसे में डेयरी उत्पाद या किसी अन्य चीजों के साथ मिक्स करके खाना शरीर में विषाक्त पदार्थ का निर्माण भी हो सकता है। इसलिए फल और सब्जियों को अलग अलग करके ही खाएं। जिससे किसी प्रकार के एलर्जी या खुजली जैसी बीमारी की चपेट में आने से बच सकें।

तोंद होगी गायब और पचने लगेगा खाना

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ रिपोर्टर

पाद संचालन क्या है? : लेटी हुई अवस्था में पैरों का संचालन करना ही शयन पाद संचालन आसन है। यह ठीक उसी तरह है जबकि कोई बच्चा लेटे-लेटे साइकल चला रहा हो। यह आसन दो तरह से किया जा सकता है। पहला तरीका बहुत ही साधारण है और दूसरा तरीका स्टेप बाई स्टेप है।

पहला तरीका : पीठ के बल भूमि पर लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए। अब धीरे से पैर और हाथ एकसाथ उठाकर हाथ-पैरों से साइकल चलाने का अभ्यास करें। थक जाएं तो कुछ देर शवासन में विश्राम करके पुन: अपनी सुविधा अनुसार यह प्रक्रिया करें।

स्टेप बाई **स्टेप** :-

1. भूमि पर योगा मैट बिछाकर उस पर पीठ के बल लेट जाएं। हाथ जंघाओं के पास। पैर मिले हुए।

2. **श्वास** भरते हुए बाएं पैर को घुटने से सीधा रखते हुए जंघा जोड़ से ऊपर की ओर उठाएं और प्रश्वास करते हुए नीचे लाएं। इसी क्रिया को दाएं पैर से दोहराएं। आवृत्ति 10 बार दोहराएं। पूर्ण होने पर प्रारंभिक स्थिति में आएं। अल्प विश्राम करें।

3. **श्वास** भरते हुए दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और प्रश्वास करते हुए पैर नीचे लाएं। प्रक्रिया को 5 बार करें। आवृत्ति पूर्ण होने पर अल्प विश्राम कर प्रारंभिक स्थिति में आएं।

4. **श्वास** भरते हुए पैरों को क्षमतानुसार ऊपर उठाएं। प्रश्वास करते हुए दाएं पैर को दाईं ओर और बाएं पैर को बाईं ओर ले जाएं। श्वास भरते हुए मध्य में लाएं। इस प्रक्रिया को लयबद्धता के साथ 5 बार दोहराएं।

5. **आवृत्ति** पूर्ण होने पर मध्य में पैरों को ऊपर ही रखें और अब एक पैर आगे और एक पैर पीछे ले जाएं। गत्यात्मक रूप से इस प्रक्रिया को 5 बार करें। आवृत्ति पूर्ण होने पर पैर धीरे से नीचे लाएं और विश्राम करें।

6. **प्रारंभिक** अवस्था में आएं। श्वास भरें। पैरों को जमीन से 45 के अंश पर ऊपर उठाएं। प्रश्वास करते हुए पैरों में क्षमतानुसार फासला बनाएं।

7. **श्वास** भरें। प्रश्वास करते हुए दोनों पैरों को अपनी-अपनी धुरी पर बाएं पैर को बाईं ओर और दाएं पैर को दाईं ओर एकसाथ गोलाकार घुमाएं। तीन बार करें, फिर विपरीत क्रम से तीन बार घुमाएं। आवृत्ति पूर्ण होने पर पैर पास-पास लाएं और प्रश्वास करते हुए धीरे से जमीन पर लाएं। अल्प विश्राम कर प्रारंभिक अवस्था में आएं।

8. **प्रारंभिक** अवस्था में आने के बाद बाएं पैर को जमीन से 45 के अंश पर उठाएं और नीचे की ओर लाएं। एड़ी को जमीन पर न टिकने दें। साथ-साथ दाएं पैर को उठाएं और उसे नीचे लाते समय बाएं पैर को उठाएं। इस क्रिया की लयबद्ध तरीके से 5 से 10 आवृत्ति करें। पूर्ण होने पर पैर नीचे लाकर अल्प विश्राम करें।

9. **प्रारंभिक** अवस्था में आएं। बाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए पंजे को पकड़कर अंगूठे को नासिका से स्पर्श कराएं। ध्यान रहे, गर्दन जमीन से उठे नहीं। धीरे-धीरे पैर नीचे कर प्रक्रिया को दाएं पैर से करें आवृत्ति पूरी होने पर पैर नीचे करें। अल्प विश्राम करें। 3. अब दोनों पैरों को घुटने से मोड़ते हुए दाएं हाथ से दायां पंजा, बाएं हाथ से बायां पंजा पकड़ें।

10. **घुटना** शरीर से बाहर की ओर रहेगा। श्वास भरें। प्रश्वास करते हुए दोनों पंजों के अंगूठों को नासिका से स्पर्श कराने का प्रयास करें। अंतिम अवस्था में कुछ क्षण रुकने के बाद पैरों को जमीन पर टिका दें। विश्राम करें।

11. **प्रारंभिक** स्थिति बनाएं। श्वास भरते हुए दोनों पैरों को एकसाथ हवा में जमीन से 4-6 इंच ऊपर उठाएं। क्षमतानुसार सामान्य श्वास-प्रश्वास के साथ रुकें। धीरे-धीरे पैर नीचे लाएं। अल्प विश्राम करें।

12. **प्रारंभिक** अवस्था में आएं। हाथों व पैरों को उठाकर लेटे-लेटे ही साइकल चलाने की तरह उन्हें गतिमान करें। एक दिशा में 5 बार चलाने के बाद दूसरी दिशा में भी यही क्रिया 5 बार दोहराएं। पूर्ण होने पर हाथ-पैर नीचे लाकर विश्राम करें।

13. **प्रारंभिक** अवस्था में लेटें। श्वास भरते हुए दोनों पैरों को ऊपर उठाएं। दोनों पैरों को मिलाकर रखें और एकसाथ उन्हें बाईं ओर से घुमाएं। 3 चक्कर पूर्ण होने पर दाईं ओर से क्रिया को 3 बार दोहराएं। आवृत्ति पूरी होने पर पैरों को नीचे लाकर विश्राम करें।

14. **संचालनों** के दौरान लयबद्धता का विशेष रूप से ध्यान रखें। 2. किसी भी प्रकार की जोर-जबर्दस्ती शरीर के साथ न करें। गर्दन को न उठाएं और पैर वापस लाते समय झटका न दें। 4. आपकी क्षमतानुसार आप जहां तक जा सकते हैं, वही आपकी अंतिम स्थिति है।

आसन का लाभ : इस आसन के नियमित अभ्यास से मोटापा दूर होगा और पाचन तंत्र संबंधी रोग दूर होंगे। यह आसन मधुमेह रोग को दूर करने में भी लाभदायक सिद्ध होगा। इससे तोंद हट जाएगी और आपका पेट पहले वाली स्थिति में होगा। इससे पेट की मांसपेशियां मजबूत होंगी और कमजोर आंतों को भी शक्ति मिलेगी।

नॉलेज न्यूज़

अब दुनियाभर के स्मार्ट फोन यूजर्स नहीं यूज कर सकेंगे गूगल मैप्स, जीमेल और यू-ट्यूब, जानिए क्यों

गूगल की तरफ से बताया गया है कि ऐसे यूजर्स जो अभी तक एंड्रॉयड 2.3 डिवाइसेज पर गूगल अकाउंट का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें ब्लॉक कर दिया जाएगा। गूगल के इस पुराने पड़ चुके वर्जन को दिसंबर 2010 में लॉन्च किया गया था।

दुनिया का सबसे बड़ा सर्च इंजन गूगल अगले कुछ दिनों में ऐसा करने जा रहा है जिसकी आपने शायद कल्पना भी नहीं की होगी। गूगल अपनी सबसे पॉपुलर सर्विसेज को बंद करने जा रहा है। जी हां, 27 सितंबर से गूगल की कुछ सर्विसेज जैसे गूगल मैप्स, यू-ट्यूब और जीमेल कुछ एंड्रॉयड डिवाइसेज पर काम नहीं करेंगी। आपको बता दें कि ये गूगल की वो कुछ सर्विसेज हैं जिन्हें पूरी दुनिया में काफी लोग प्रयोग करते हैं।

गूगल की तरफ से इसकी वेबसाइट पर एक डेडलाइन का ऐलान किया गया है। इस डेडलाइन के मुताबिक यूजर्स को अपना फोन या तो अपडेट करना पड़ेगा या फिर नया मोबाइल फोन लेना पड़ेगा। दुनिया भर के लाखों एंड्रॉयड यूजर्स पर गूगल के इस फैसले का असर पड़ने वाला है।

क्या कहा है गूगल ने : गूगल की तरफ से बताया गया है कि ऐसे यूजर्स जो अभी तक एंड्रॉयड 2.3 डिवाइसेज पर गूगल अकाउंट का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें ब्लॉक कर दिया जाएगा। गूगल के इस पुराने पड़ चुके वर्जन को दिसंबर 2010 में लॉन्च किया गया था। गूगल की तरफ से कहा गया है कि वो इस प्लेटफॉर्म के लिए सपोर्ट को वापस ले रहा है। कंपनी का मानना है कि यह फैसला यूजर्स को सुरक्षित रखने के लिए लिया गया है। गूगल अक्सर ही एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर के पुराने पड़ चुके वर्जन को हटा देता है और उसकी जगह नया वर्जन लॉन्च कर देता है।

क्यों उठाया गया ये कदम : गूगल ऐसा इसलिए करता है क्योंकि पुराने वर्जन पर बग्स और हैकर्स का खतरा ज्यादा रहता है। एंड्रॉयड का लेटेस्ट वर्जन एंड्रॉयड 11 आज सबसे एंडवांस्ड वर्जन है जो एंड्रॉयड स्मार्ट फोन्स के लिए उपलब्ध है। फरवरी 2017 में गूगल ने गूगल पे को सस्पेंड कर दिया। इस सर्विस जिसे एंड्रॉयड 2.3 का यूज कर रहे यूजर्स के लिए सस्पेंड किया गया था। इस माह जो भी इस सॉफ्टवेयर की मदद से डिवाइस को ऑपरेट कर रहा होगा, उनके लिए गूगल अकाउंट पर लॉग इन करना मुश्किल हो जाएगा।

दूसरी एप्स पर भी खतरा : 2.3 का प्रयोग करने वाले यूजर्स को यूजरनेस और गलत पासवर्ड से जुड़ी नोटिफिकेशन मिलेगी। भले ही उन्होंने सही लॉगइन आईडी और पासवर्ड एड किया हो, उन्हें सही आईडी और पासवर्ड के बाद भी लॉगइन करने में सफलता नहीं मिलेगी। अगर इस वर्जन पर वो गूगल कैलेंडर या फिर जीमेल अकाउंट को एड करते हैं तो भी इसी समस्या का सामाना करना पड़ेगा। इसके साथ ही दूसरी पॉपुलर गूगल एप्स जैसे यूट्यूब, गूगल पे स्टोर, जीमेल, गूगल कैलेंडर और दूसरी गूगल एप्स भी बंद हो जाएंगी। इन एप्स को प्रयोग करने के लिए आपको अपना फोन एंड्रॉयड 3.0 पर अपग्रेड करना ही पड़ेगा।

'भारत परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए प्रतिबद्ध' यूएनजीए में बोले भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने यूएनएससी में कहा, भारत ने परमाणु विस्फोट टेस्टिंग पर स्वैच्छिक और एकतरफा रूप से रोक लगाई।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि भारत (India) परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही भारत परमाणु हथियारों के पूरी तरह से खात्मे को लेकर भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत ने परमाणु सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में सक्रिय रूप से समर्थन और योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बताया कि आखिर भारत 'व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि' में शामिल क्यों नहीं हुआ।

हर्षवर्धन श्रृंगला ने यूएनएससी में कहा, 'भारत परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया और हथियारों के पूरी तरह से खात्मे के लक्ष्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ये बिल्कुल निरस्त्रीकरण पर यूएनजीए के पहले विशेष सत्र (SSOD-I) के (Special Session of UNGA on Disarmament) अंतिम दस्तावेज द्वारा परमाणु निरस्त्रीकरण को दी गई सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप है।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि इस लक्ष्य को सार्वभौमिक प्रतिबद्धता और सहमत वैश्विक एवं गैर-भेदभावपूर्ण बहुपक्षीय ढांचे द्वारा चरण-दर-चरण प्रक्रिया के जरिए हासिल किया जा सकता है।'

भारत क्यों नहीं है CTBT का हिस्सा? अब मिला जवाब : विदेश सचिव ने यूएनएससी में कहा, 'भारत ने परमाणु विस्फोट टेस्टिंग पर स्वैच्छिक और एकतरफा रूप से रोक लगाई। भारत ने वैश्विक परमाणु सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में सक्रिय रूप से अपना समर्थन और योगदान दिया है। भारत वैश्विक अप्रसार प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार है।' उन्होंने कहा, 'भारत ने निरस्त्रीकरण सम्मेलन में 'व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि' के मसौदे की वार्ता में भाग लिया। लेकिन भारत संधि में इसलिए शामिल नहीं हो सका, क्योंकि संधि में भारत द्वारा उठाए गए कई प्रमुख चिंताओं का निपटान नहीं किया गया।'

यूएनएससी में स्थायी सीट भारत की शीर्ष प्राथमिकता : विदेश सचिव श्रृंगला

इससे पहले, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार और उसमें एक स्थायी सीट पाना भारत की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष अब्दुल्ला शाहिद के तहत अंतर-सरकारी प्रक्रियाओं और दस्तावेज आधारित बातचीत पर जोर रहेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76 वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद श्रृंगला ने संवाददाताओं से कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान संयुक्त राष्ट्र को विस्तारित करने की दिशा में काम करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, यूएनएससी में एक स्थायी सीट और सुरक्षा परिषद में विस्तार भारत की शीर्ष प्राथमिकता बनी हुई है।

जम्मू को स्मार्ट सिटी बनाने की तैयारी तेज, होगी इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना

• **नई दिल्ली.** ब्यूरो

जम्मू शहर में विभिन्न स्मार्ट सेवाओं और समाधानों को एक स्थान पर लाने के मकसद से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) आधारित एक निगरानी प्रणाली के निर्माण के लिए स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र स्थापित किया जा रहा है। अधिकारियों ने गत दिनों इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने हाल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ 53 करोड़ रुपये की लागत से जम्मू शहर के लिए आईसीसीसी स्थापित करने से संबंधित अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किया है। अधिकारियों ने बताया कि आईसीसीसी सभी नागरिक और आवश्यक सेवाओं को एक मंच पर एकीकृत करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित एप्लिकेशन : आईटीएमएस विभिन्न यातायात कानून प्रवर्तन चुनौतियों को संबोधित करने और हल करने में सहायता कर सकता है। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - आधारित एप्लिकेशन है, जो ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले वाहनों का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए ट्रैफिक चौराहों पर लगे कैमरों के साथ मिलकर काम करता है और सेंट्रल कमांड सेंटर को वास्तविक समय की सूचनाएं प्रदान करता है।

आईटीएमएस एक स्मार्ट और बुद्धिमान गतिशीलता मंच है जो यातायात प्रबंधन उपकरणों और उपकरणों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करता है। आईटीएमएस समाधान की तैनाती से शहर के यातायात प्रबंधन की समग्र विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। क्षेत्र की निगरानी के लिए आवश्यक कैमरों के साथ चिन्हित जंक्शनों पर आईटीएमएस तैनात किया जाएगा।

प्रस्तावित आईटीएमएस में शहर के चिन्हित जंक्शनों/चौराहों पर एएनपीआर, आरएलवीडी, बॉक्स और पीटीजेड कैमरे लगाना शामिल होगा। अधिकारियों ने बताया कि आईसीसीसी विभिन्न नागरिक-केंद्रित सेवाओं के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा और ऐसी सेवाओं की कुशल निगरानी और वितरण को बढ़ावा देगा।

'मुझे विश्वास है, आने वाले सालों में भारत-अमेरिका संबंध और भी मजबूत होंगे'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया को युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान में लोगों की मदद करके अपना दायित्व निभाना चाहिए जहां महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों को सहायता की जरूरत है।

• **नई दिल्ली.ब्यूरो**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विश्व व्यवस्था, कानून और मूल्यों को बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सशक्तीकरण की आवश्यकता को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने अमेरिका के न्यूयॉर्क से भारत लौटने से पहले एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में भारत-अमेरिका संबंध और भी मजबूत होंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में उपयोगी द्विपक्षीय और बहुपक्षीय कार्य किए गए हैं। कई सीईओ के साथ बातचीत और संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारत-अमेरिका संबंध और भी मजबूत होंगे। हमारे समृद्ध लोगों से लोगों के बीच संबंध हमारी सबसे मजबूत संपत्तियों में से हैं।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भारत के महान कूटनीतिज्ञ चाणक्य के शब्द दोहराए ''जब सही समय पर सही कार्य नहीं किया जाता तो स्वयं समय ही उस कार्य की सफलता को समाप्त कर देता है।'' उन्होंने कहा, 'अगर संयुक्त राष्ट्र प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे अपना प्रभाव और विश्वसनीयता बढ़ानी होगी।' मोदी ने कहा कि आज संयुक्त राष्ट्र के बारे में तमाम तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने जलवायु संकट और कोविड-19 महामारी के दौरान भी ऐसे सवाल उठते देखे हैं।'

संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संस्थान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को दिसंबर 2019 में चीन में कोविड-19 संकट सामने आने के बाद से लगातार आलोचना झेलनी पड़ रही है। संस्था की संकट का उचित प्रबंधन नहीं करने के लिए निंदा झेलनी पड़ी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ को चीन की ''कठपुतली'' बताया और आरोप लगाया कि वह महामारी की शुरुआत कहां से हुई इस बात पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहा है और महामारी को पूरी दुनिया में फैलने दे रहा है।

दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे हैं छद्म युद्ध : पीएम नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, 'दुनिया के कई हिस्सों में छद्म युद्ध चल रहे हैं, आतंकवाद और अफगानिस्तान के हालिया संकट ने इन प्रश्नों की गंभीरता को सभी के सामने ला दिया है। कोविड-19 की शुरुआत कहां से हुई और व्यापार करने में आसानी से जुड़ी रैंकिंग, वैश्विक प्रशासन संबंधी संस्थाओं ने दशकों की कड़ी मेहनत से अर्जित अपनी साख गंवा दी है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया को युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान में लोगों की मदद करके अपना दायित्व निभाना चाहिए जहां महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों को सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान की महिलाओं और बच्चों, अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों को मदद की ज़रूरत है। हमें उन्हें यह सहायता प्रदान करके अपना कर्तव्य पूरा करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवाद फैलाने और आतंकवादी हमलों के लिए न हो। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, 'हमें सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि कोई भी देश वहां की नाजुक स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश न करे और इसे अपने स्वार्थ के लिए एक साधन के तौर पर इस्तेमाल न करे।'

गूंगे-बेजुबान लोग ऐसे बता पाएंगे अपने मन की बात, चिड़िया का ब्रेन सिग्नल पढ़कर डिवाइस बना रहे वैज्ञानिक

नई दिल्ली. चिड़िया जब चहचहा रही थी, गुनगुना रही थी, तब वैज्ञानिकों ने उनके ब्रेन सिग्नल को रिकॉर्ड किया और फिर एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से चिड़िया के अगले गाने की भविष्यवाणी की।

एक चिड़िया के ब्रेन सिग्नल पर रिसर्च कर वैज्ञानिक ऐसी डिवाइस बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे मूक बधिर यानी गूंगे लोग अपने मन की बात बता पाएंगे। इस चिड़िया का नाम है जेबरा फिंच, जिनके ब्रेन सिग्नल का इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका के सैन डिएगो की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक, गूंगे लोगों और इस चिड़िया के ब्रेन सिग्नल में कई समानताएं मिली हैं। बता दें कि बहुत सारे लोग जेबरा बर्ड को घरों में पालना पसंद करते हैं। इनकी लाइफ 2 से 5 साल तक होती है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, जेबरा फिंच जब चहचहा रही थी, गुनगुना रही थी, तब वैज्ञानिकों ने सिलिकॉन इम्प्लांट्स की मदद से उनके ब्रेन सिग्नल को रिकॉर्ड किया और फिर एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से चिड़िया के अगले गाने की भविष्यवाणी की। रिसर्च में उनकी भविष्यवाणी सही साबित हुई। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसी तरीके से बेजुबान यानी गूंगे लोगों के मन की बात भी समझी जा सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक को एक डिवाइस में तब्दील किया जा सकेगा और पता चल सकेगा कि मूक बधिर लोग क्या कहना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अभी ऐसे आर्ट इम्प्लांट्स उपलब्ध हैं जो लोगों की आवाज सुनकर उसे शब्दों में तब्दील कर सकते हैं। लेकिन ये वाली नई तकनीक उनके ब्रेन को समझकर उनकी इच्छा जान सकेगी कि वे कहना क्या चाहते हैं। इस रिसर्च से जुड़े एक शोधकर्ता डेरिल ब्राउन का कहना है, चिड़ियों के ब्रेन सिग्नल की मदद से मूक बधिर लोगों के लिए एक नया रास्ता दिखा है। हम बर्ड सॉन्ग का अध्ययन कर रहे हैं, जो ह्यूमन कम्युनिकेशन को समझने में मदद करेगा। मूक बधिर लोगों के लिए यह रिसर्च नई आवाज बन सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि चिड़ियों का गाने-गुनगुनाने का तरीका इंसान की आवाज से काफी मिलती जुलती हैं। दोनों ही इसे धीरे-धीरे सीखते हैं और अन्य जानवरों की आवाजों के मुकाबले इन्हे समझना ज्यादा कठिन है। वैज्ञानिकों ने रिसर्च के दौरान किए गए प्रयोगों से यह पता लगाया है कि ब्रेन सिग्नल को समझकर उसे आवाज में रुपांतरित किया जा सकता है।

मच्छरों को दूर भगाने के लिए ये 5 पौधे ही काफी हैं

बरसाती सीजन में डेंगू-मलेरिया से बचना है तो तुरंत करें ये काम

मच्छरों को दूर भगाने के लिए जिन मॉस्किटो रिपेलेंट्स का यूज किया जाता है, उनमें भी लैवेंडर ऑयल मिलाया जाता है। लैवेंडर का पौधा भी मच्छरों को दूर भगाने के लिए कारगर है।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

बारिश का मौसम चल रहा है और इस मौसम में मच्छरों का बढ़ना स्वाभाविक है। देश के कई गांव-शहरों में मच्छर से होने वाली बीमारियां डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने आसपास, घर में, दफ्तर में मच्छर न होने दें। मच्छरों को भगाने के लिए आप ऑलआउट, मॉस्किटो कॉयल वगैरह का प्रयोग करते होंगे। हालांकि कुछ पौधे लगाकर भी आप मच्छरों को दूर भगा सकते हैं।

रोजमेरी : रोजमेरी के पौधे को नैचुरल मॉस्किटो रिपेलेंट्स माना जाता है। इसके फूल खूबसूरत दिखते हैं। ऐसे में ये घर की खूबसूरती भी बढ़ाते हैं। इसके पौधे को आप गमले में लगा सकते हैं और इसे सूखे-ठंडे जगह पर रख सकते हैं।

लैवेंडर : मच्छरों को दूर भगाने के लिए जिन मॉस्किटो रिपेलेंट्स का यूज किया जाता है, उनमें भी लैवेंडर ऑयल मिलाया जाता है। लैवेंडर का पौधा भी मच्छरों को दूर भगाने के लिए कारगर है। इसे आप अपने घर में लगा सकते हैं। यह घर की शोभा भी बढ़ाएगा।

लेमन ग्रास : लेमन ग्रास भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसकी चाय भी सेहत के लिए फायदेमंद होती है। हर्बल टी बनाने के अलावा इसे आप मच्छर भगाने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आसानी से किसी गमले में भी लगाया जा सकता है। एक बार लगाकर सालों-साल आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

तुलसी : तुलसी एक औषधीय पौधा है। सर्दी, खांसी, बुखार वगैरह में इसके पत्ते बहुत काम आते हैं। तुलसी का पौधा मच्छरों को दूर रखने में भी मददगार है। इसे आप छोटे से मिट्टी के पॉट या गमले में भी लगा सकते हैं। बारिश के समय तो इसका पौधा आसानी से लग जाता है।

गेंदा : गेंदे का पौधा भी मॉस्किटो रिपेलेंट्स का काम करता है। इसकी खूशबू मक्खी-मच्छरों को दूर रखती है। लाल, पीले और नारंगी रंग के फूलों वाला यह पौधा आपके घर और बालकनी की शोभा भी बढ़ाता है।

राज्य के बस स्टैंडों में नाजायज कब्जे दो दिनों में हटाने के आदेश

राज्य में टैक्स डिफॉल्टरों के ख़िलाफ़ बनती कार्यवाही अमल में लाने के भी हुक्म दिए, बस स्टैडों और बसों की साफ़-सफ़ाई को यकीनी बनाने के लिए जी.एम. की ज़िम्मेदारी तय

चंडीगढ़. पंजाब राज्य के परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग ने आज विभाग के अधिकारियों को आदेश दिए कि वह आगामी दो दिनों में राज्य के बस स्टैंडों में से हर तरह का नाजायज कब्ज़ों को हटा दें। आज यहाँ पंजाब भवन में राज्य स्तरीय समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये परिवहन मंत्री अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि बस स्टैंडों में लोगों द्वारा किये नाजायज कब्ज़े न सिर्फ़ बसों को चलने में रुकावट बन रहे हैं, बल्कि साथ ही नाजायज तौर पर कारोबारी गतिविधियों करके सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं। पंजाब राज्य के सभी डिपूओं के जनरल मैनेजरों (जी.एम.) और आर.टी.ए. की मीटिंग को संबोधन करते हुये कहा कि हमें सभी को मिलकर विभाग की आय को बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाग के साथ धोखा करने वाले किसी भी अधिकारी को बक्शा नहीं जायेगा।

उन्होंने सभी अधिकारियों को हिदायत की कि बीते लम्बे समय से जिन ट्रांसपोटरों की तरफ से बकाया टैक्सों की अदायगी नहीं की गई, उनसे टैक्स वसूली को तेज़ किया जाये और टैक्स देने से आनाकानी करने वाले ट्रांसपोटरों के ख़िलाफ़ बनती कानूनी कार्यवाही की जायेगी। इस मौके पर वड़िंग ने यह भी कहा कि परिवहन विभाग के कंडक्टर से लेकर उच्च अधिकारी तक अपनी ड्यूटी बिना किसी डर और भय से करें क्योंकि राज्य में बस सेवा स्थापित नियमों के अनुसार ही चलाई जायेगी। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि राज्य में चल रही सरकारी और प्राईवेट बसों की चैकिंग में भी तेज़ी लाई जाये। उन्होंने राज्य के बस अड्डों और बसों की साफ़-सफ़ाई को यकीनी बनाने के लिए हर डीपू के जी.एम. की ज़िम्मेदारी तय करते हुये कहा कि बसों और बस अड्डों की साफ़-सफ़ाई विभाग का स्थायी फीचर होगा। इसके साथ ही उन्होंने ज़िला डिपूओं में पड़े कबाड़ को भी अगले पंद्रह दिनों में नीलाम करने के हुक्म दिए हैं।

इस मौके पर दूसरों के अलावा विभाग के श्री के. सिवा प्रसाद, आई.ए.एस, प्रमुख सचिव परिवहन विभाग, डा. अमरपाल सिंह, आई.ए.ऐस., राज्य परिवहन कमिशनर, भुपिन्दर सिंह राय, आई.ए.एस. डायरैक्टर राज्य परिवहन, डा. भुपिन्दर पाल सिंह, आई.ए.एस., एम.डी. पी.आर.टी.सी. विशेष तौर पर उपस्थित थे।

धान की ख़रीद 1 अक्तूबर से शुरू करने के आदेश

• पंजाब सरकार ने राज्य में 2606 स्थानों को खरीद केंद्र के तौर पर नोटीफाई किया

चंडीगढ़. पंजाब सरकार ने 1 अक्तूबर, 2021 से धान की खरीद प्रक्रिया शुरू करने के हुक्म जारी कर दिए हैं। भारत भूषण आशु ख़ाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने कहा गया कि पंजाब सरकार किसानों का एक-एक दाना खरीदने के लिए वचनबद्ध है। आशु ने मुख्यमंत्री श्री चरणजीत सिंह चन्नी के द्वारा समय पर सी.सी.एल हासिल करने के लिए किये गए सौहृद यत्नों के लिए धन्यवाद करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री के यत्नों स्वरूप धान की खरीद शुरू होने से पहले ही राज्य को सी.सी.एल मिल गई है। उन्होंने कहा कि चन्नी

द्वारा सीसीएल हासिल करने के लिए सूधांशु पांडे ख़ाद्य सचिव, भारत सरकार के साथ इस मसले पर लगातार संपर्क बनाकर रखा गया। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा मंडियों में भीड़-भाड़ को रोकने के लिए किसानों, मज़दूरों, पल्लेदारों, आढ़तियों, ढुलाई में शामिल लोगों और खरीद कार्य में लगे सरकारी मुलाजिमों और अधिकारियों को कोविड-19 के बचाव के लिए राज्य भर में पंजाब मंडी बोर्ड की तरफ से नोटीफायी किये 1806 खरीद केन्द्रों के अलावा तकरीबन 800 अन्य योग्य राइस मिलों और सार्वजनिक स्थानों को अस्थायी खरीद केंद्र बनाया जा रहा है।

आशु ने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से ए ग्रेड धान की एम.एस.पी. 1960/- रुपए प्रति क्विंटर ऐलानी गई है। आर.बी.आई की तरफ से 35,712.73 करोड़ रुपए की सी.सी.एल लिमट जारी दी गई है और ज़रूरी बैगों के प्रबंध कर लिए गए हैं। खरीद प्रक्रिया 30 नवंबर, 2021 तक जारी रहेगी।

• प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत केंद्र व राज्य सरकार द्वारा खुरला किंगरा में लाभपात्रियों को धन मुहैया करवाते नगर निगम जालंधर के ज्वाइंट कमिश्नर अमित सरीन व मौके पर मौजूद बेघर परिवार।

नगर निगम और आई.टी.सी ने आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया

शहर को साफ़-सुथरा, बीमारियों से मुक्त रखने और लोगों को कूड़े की संभाल संबंधी जागरूक किया

कपूरथला. नगर निगम कपूरथला और आई.टी.सी मिशन सुनहरा कल के सहयोग के साथ आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। नगर निगम कपूरथला के सेक्टरी रजिन्दर कुमार, वार्ड नंबर 1के एमसी विना सलवान और वार्ड नं. 03 के मेयर के प्रतिनिधि श्री बावा की तरफ से घर-घर जा कर आज़ादी का 75वाँ महाउत्सव मनाया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के आदेशों के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहर को साफ़-सुथरा और बीमारियों से मुक्त रखने और लोगों को कूड़ो की संभाल सम्बन्धित जागरूक किया गया। नगर निगम कपूरथला के सेनेटरी इंस्पेक्टर श्री रमन कुमार ने बताया कि हम सभी को अपने

घरों और दुकानों में दो कूड़ेदान लगाने चाहिएं जिससे कि एक में गीला और दूसरे में सुखा कूड़ा डाला जा सके।

उन्होंने बताया कि 70 प्रतिशत गीले कूड़े की खाद बनाई जा सकती है, जबकि 20 फ़ीसदी सूखे कूड़े को बेचा जा सकता है और सिर्फ़ 10 प्रतिशत कूड़े को ही डंप बनाने की ज़रूरत होती है। इस अवसर पर बलराम मल्लाह, रोबिन, बंटी भट्टी सेनेटरी इंस्पेक्टर (डी) योगेश शर्मा प्रोजेक्ट मैनेजर आई.टी.सी मिशन सुनेहरा कल, प्रोगराम कोआरडीनेटर सन्दीप कुमार, गुरसेवक सिंह, सरिता मिनहास, हरविन्दर कौर सुपरवाइज़र आई टी सी आरती कोहली, सुरिन्दर कुमार आदि भी शामिल थे।

मनीष तिवारी का सिद्धू पर निशाना, कहा- जिन्हें मिली जिम्मेदारी वो समझ नहीं सके

नई दिल्ली.पंजाब में सियासी उठापटक के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद मनीष तिवारी ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की जमकर तारीफ की है और वर्तमान सियासी हलचल को प्रदेश और देश के लिए खतरनाक बताया है। तिवारी ने कहा कि वर्तमान में पंजाब में जो कुछ भी हो रहा है उससे सबसे ज्यादा खुशी पाकिस्तान और आईएसआई को होगी। उन्होंने कहा, 'पंजाब के एक सांसद के रूप में, मैं पंजाब में हो रही घटनाओं से बेहद व्यथित हूं। पंजाब में शांति अत्यंत कठिन थी। 1980-1995 के बीच उग्रवाद और आतंकवाद से लड़ने और पंजाब में शांति वापस लाने के लिए 25,000 लोगों ने बलिदान दिया, जिनमें से अधिकांश कांग्रेसी थे।'

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, 'पंजाब सीमावर्ती राज्य है, यह मुख्य रूप से कृषि कानूनों के खिलाफ लोगों में आक्रोश के कारण तीव्र सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। इस स्थिति में, अगर इस तरह की उथल-पुथल सार्वजनिक तौर पर होंगे, तो इसका सीमावर्ती राज्य पंजाब की स्थिरता पर सीधा और गंभीर प्रभाव पड़ेगा।'

कैप्टन के खून में राष्ट्रवाद

तिवारी ने कैप्टन की तारीफ में कहा कि अमरिंदर सिंह ने जो भविष्यवाणी की थी वह सच हो रही है। कैप्टन अमरिंदर सिंह बड़े कद के नेता हैं, वह मेरे दिवंगत पिता के करीबी दोस्त थे। हम एक-दूसरे को दशकों से जानते हैं, राष्ट्रवाद उनके खून में है, इसलिए मुझे लगता है कि उन परिस्थितियों में, कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बेहतर फैसला लिया। उनका हर फैसला देश हित में

था। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा इस पर सोचता हूं कि जब आशा कुमारी पंजाब की प्रभारी थीं तो ऐसा उस समय क्यों नहीं हुआ। मुझे इस बात को कहने में कोई संकोच नहीं है कि जिन लोगों को जिम्मेदारी दी गई थी, वो पंजाब की संवेदनशीलता और परिस्थिति को नहीं समझ सके। क्योंकि पाकिस्तान की तरफ से रोज वहां घुसपैठ होती है, ड्रोंस भेजे जाते हैं, हथियार भेजे जाते हैं। इन सब चीजों को संज्ञान में रखते हुए सबसे पहली प्राथमिकता ये होनी चाहिए थी कि पंजाब की राजनीतिक स्थितरता को बहाल रखा जाए।'

जिन्हें जिम्मेदारी मिली वो पंजाब को समझ नहीं पाए

तिवारी ने सिद्धू पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण बात ये है कि जिन्हें जिम्मेदारी दी गई थी वो पंजाब को समझ नहीं पाए। कैप्टन अमरिंदर सिंह हम सबलोगों के बुजुर्ग हैं और पंजाब के बेहद कद्दावर नेता हैं। जो राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को बेहतर तरीके से समझते हैं। इसलिए ये बहुत जरूरी है कि पंजाब में राजनीतिक स्थिरता बहाल होनी चाहिए। चुनाव एक पहलू है, लेकिन राष्ट्र हित दूसरा पहलू है।'

पंजाब के हलचल से पाकिस्तान को होगी खुशी

पार्टी में मचे घमासान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'वर्तमान में पंजाब की राजनीतिक स्थिरता को बहाल किए जाने की जरूरत है। मैं अभी-अभी एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन से लौटा हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि अगर पंजाब की अस्थिरता पर किसी को खुशी है तो वो पाकिस्तान को है। उनको लगता है कि पंजाब में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो उनको फिर अपने काले मंसूबों को अंजाम देने का एक और मौका मिलेगा।'

तिवारी ने कहा, 'पंजाब में सुलझे हुए लोग हैं। वहां से कांग्रेस के 10 सांसद हैं। अधिकतर लोग वो हैं जिन्होंने आतंकवाद की आग में अपने परिवार को न्योछावर किया है। वो देश और प्रदेश हित को समझते हैं। उनसे और बाकी सुलझे हुए लोगों से बात करके, पहली प्राथमिकता ये है कि पंजाब की राजनीति में स्थिरता लाई जाए।'

'वर्ल्ड हार्ट डे' : सिविल सर्जन ने लोगों को सेहतमंद जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

जालंधर. विश्व भर में 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को दिल को सेहतमंद रखने और दिल से संबंधित बिमारियों के प्रति जागरूक करना है। वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर सिविल सर्जन जालंधर डॉ. बलवंत सिंह द्वारा आम लोगों को सेहतमंद जीवनशैली अपनाने का सदेश दिया गया।

सिविल सर्जन डॉ. बलवंत सिंह द्वारा वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर सिविल सर्जन दफ्तर में जागरूकता पेंफ्लेट रिलीज़ किया गया। जिला सेहत अफसर डॉ. अरुण वर्मा, सहायक सेहत अफसर डॉ. चरणजीत सिंह, सीनियर मेडीकल अफसर डॉ. जीवन सहोता, जिला समूह शिक्षा व सूचना अफसर कृपाल

सिंह झल्ली व बीसीसी को-आर्डीनेटर नीरज शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद थे। इस उपरंत मास मीडीआ टीम के द्वारा जिला अस्पताल में लोगों को सेहत शिक्षा भी दी गई। सिविल सर्जन डॉ. बलवंत सिंह ने वर्ल्ड हार्ट डे संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि दिल शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। आधुनिक समय में हमारे खाने-पीने की रूटीन के कारण सेहत पर बुरा असर पड़ता है जो दिल के लिए काफी नुकसानदायक होता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दिल व सेहत को सेहतमंद रखने के लिए सुबह की सैर व कम-से-कम 30 मिनट तक व्यायाम करना चाहिए। संतुलित आहार व हरी सब्जियों आदि का सेवन करना चाहिए।

SPORTS PLANET स्पोर्ट्स प्लेनेट

आईपीएल 2021: बदला गया मैचों का शेड्यूल, एक ही समय पर खेले जाएंगे लीग के दो मैच, बीसीसीआई का बड़ा फैसला

मुंबई. इंडियन प्रीमियर लीग 2021 अब आखिरी पड़ाव की तरफ रुख कर चुका है। लेकिन इस सीजन बचे कुछ मैचों के पहले इसके शेड्यूल में एक बड़ा बदलाव किया गया है। बता दें कि आईपीएल के लीग चरण के आखिरी दो मैच एक ही समय पर शाम साढ़े सात बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होंगे। ऐसा आईपीएल के इतिहास में पहली बार हो रहा है जब दो मैच एक ही समय पर खेले जाएंगे। आईपीएल संचालन समिति ने इस बारे में जानकारी दी।

बीसीसीआई की तरफ़ से जारी बयान के मुताबिक, "आईपीएल के लिए पहली बार दो मुकाबले एक ही समय में होगें। अंतिम दो मैचों में से एक में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना मुंबई इंडियन्स और दूसरे में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से है। 8 अक्तूबर को पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना मुंबई इंडियंस (55वां मैच) और दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का सामना दिल्ली कैपिटल्स (56वां मैच) से होना है। अब यह दोनों मैच एक ही समय पर होंगे। बीसीसीआई ने हालांकि, इसके पीछे की वजह के बारे में नहीं बताया है।

आईपीएल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा कि एक समय पर दो मुकाबले खेले जाएंगे। आईपीएल में जुड़ने वाली दो नई टीमों की घोषणा 25 अक्टूबर को होगी।

बता दें कि आम तौर पर डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) का एक मुकाबला दोपहर बाद और दूसरा शाम को खेला जाता है। अब तक के नियमों के मुताबिक दोपहर का मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद 3:30 बजे शुरू होता है जबकि दूसरा मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से खेला जाता है। इसके अलावा बीसीसीआई ने आईपीएल मीडिया राइट्स टेंडर को लेकर भी घोषणा की है। यह 2023 से 2037 के साइकिल के लिए है। टेंडर 25 अक्तूबर को दो नई टीमों की घोषणा के बाद निकाला जाएगा। यानी आईपीएल 2022 के लिए दो नई टीमों का एलान 25 अक्तूबर तक हो जाएगा। यह फैसला मंगलवार को आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक के बाद लिया गया।

लियोनेल मेस्सी ने पीएसजी में अपना पहला गोल दागा, मैनचेस्टर सिटी को 2-0 से हराया

पेरिस. लियोनेल मेस्सी ने पेरिस सेंट जर्मेन के लिये पहला गोल दागा जिसकी बदौलत टीम ने चैम्पियंस लीग ग्रुप चरण में मैनचेस्टर सिटी को 2 . 0 से हराया। छह बार के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने 74वें मिनटमें गोल दागा जिसके लिये उन्हें फ्लिक काइलियान एमबाप्पे से मिली थी।

जीत के बाद मेस्सी ने कहा ,'' मुझे खुशी है कि गोल कर सका। मैंने हाल ही में ज्यादा नहीं खेला है और नयी टीम के साथ धीरे धीरे तालमेल बन रहा है। जितना ज्यादा साथ खेलेंगे, उतना ही बेहतर प्रदर्शन होगा।''

मेस्सी ने बार्सीलोना के लिये 672 गोल किये लेकिन पीएसजी के लिये तीन मैचों में उनका यह पहला गोल था। सिटी की पीएसजी के खिलाफ पिछले पांच मैचों में यह पहली बार थी। पीएसजी ग्रुप ए में गोल औसत के आधार पर शीर्ष पर है। क्लब ब्रजे और पीएसजी के समान चार अंक है जबकि सिटी तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

आईसीसी ने बीसीसीआई को डराया

भारतीय बोर्ड ने सालभर पहले ही चल दी चाल

मुंबई. बीसीसीआई ने आईपीएल 2021 के बीच में ही इस टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स बेचने के लिए टेंडर जारी करने का ऐलान किया है। भारतीय बोर्ड ने कहा कि 25 अक्टूबर को वह 2023 से 2027 के आईपीएल के लिए मीडिया राइट्स के लिए टेंडर निकालेगा। इस फैसले ने हलचल पैदा कर दी है। आईपीएल के मीडिया राइट्स हासिल करने के लिए देश-विदेश की कंपनियों में काफी दिलचस्पी होती है। अभी स्टार इंडिया के पास आईपीएल के राइट्स हैं। उसने 2017 में 2022 तक के मीडिया राइट्स 16 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा रकम खर्च कर हासिल किए थे। यह मीडिया राइट्स का ही दबाव था कि बीसीसीआई ने कोरोना काल में ही आईपीएल कैंसिल नहीं किया। अब नए सिरे से मीडिया राइट्स के लिए ब्रॉडकास्टर्स के बीच टक्कर होगी। स्टार इंडिया के साथ ही सोनी-जी, अमेजन जैसी कंपनियां आईपीएल राइट्स की रेस में रहेंगी। इनके साथ ही रिलायंस भी दावेदारी पेश कर सकता है।

आईपीएल के राइट्स ई-ऑक्शन के जरिए बेचे जाएंगे। यह पांच साल की अवधि के लिए दिए जाएंगे। आईपीएल के मीडिया राइट्स कई छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे हुए हैं। इसके तहत भारत में प्रसारण अधिकार, ग्लोबल प्रसारण, टीवी राइट्स और डिजिटल राइट्स के लिए बोली लगेगी। कंपनियां इनके लिए अलग-अलग भी बोली लगा सकती हैं और एक साथ सभी राइट्स भी खरीद सकती हैं। अभी आईपीएल के एक मैच के प्रसारण अधिकार की कीमत 54.5 करोड़ रुपये है। स्टार इंडिया इतने पैसे ही बीसीसीआई को दे रहा है। माना जा रहा है कि अगले टेंडर के लिए यही बेस प्राइस रहेगी।

• अभी स्टार इंडिया के पास आईपीएल के राइट्स हैं। उसने 2017 में 2022 तक के मीडिया राइट्स 16 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा रकम खर्च कर हासिल किए थे।

आईसीसी ने बीसीसीआई को डराया

इस बीच आईपीएल राइट्स के टेंडर के ऐलान को लेकर एक अलग कहानी भी सामने आई है। इसके तहत कहा जा रहा है कि बीसीसीआई ने ऐसा आईसीसी की मंशा को देखते हुए किया है। दरअसल आईसीसी ने कुछ समय पहले 2024 से 2031 तक की अवधि में वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के कार्यक्रम की जानकारी दी थी। आईसीसी की योजना है कि वह 2024 से 2031 के बीच हर साल एक ग्लोबल टूर्नामेंट कराए। इसके जरिए वह अपने ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के लिए मोटी रकम की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में बीसीसीआई ने इस आशंका से की कहीं उसके हाथ से मोटी रकम न निकल जाए, एक साल पहले ही मीडिया राइट्स के टेंडर निकालने का फैसला किया। टाइम्स ऑफ इंडिया ने इस मामले से जुड़े एक शख्स के हवाले से लिखा है कि आईसीसी की अगली साइकल 2023 के बाद से शुरू होगी। ऐसे में वह टेंडर के लिए जल्दी क्यों कर रहा है। क्या इसका मतलब यह है कि वह आईपीएल को जानबूझकर निशाना बना रहा है। कोई भी संस्था 27 से 28 महीने पहले मीडिया राइट्स के टेंडर क्यों जारी करेगी। ऐसे में बीसीसीआई नहीं चाहता कि किसी तरह की दिक्कत हो।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.